परमेश्वर ने प्रार्थना सुनी और सिंहो के मुँह बन्द कर दिये

प्रार्थना: "प्रिय पिता कृपया इस अध्ययन को बच्चों को विश्वास योग्यता से प्रार्थना करना सिखाने में प्रयोग करें"।

किसी भी एक सीखने वाली गतिविधि को चुन लें जो बच्चों की हाल की आवश्यकता और आयु के हिसाब से सही हैं।

दानियेल और सिंह: शिक्षक या बड़े बच्चे को पढ़ना चाहिये या दानियेल अध्याय 6 से कहानी याद करें।? ये बताती है कि किस प्रकार दानियेल की प्रार्थना का उत्तर मिला और उसे सिंहों द्वारा खा लेने से बचाया गया।

पूछें: *(उत्तर हर प्रश्न के अन्त मे है)*

1. राजा के अधिकारी क्यों दानियेल से जलन रखते थे? *(पद 3 देखें)*
2. क्यों राजा के अधिकारी चाहते थे कि राजा प्रार्थना के लिये नई आज्ञा निकाले? *(पद 5)*
3. जब दानियेल ने राजा की नई आज्ञा के विषय सुना तब उसने क्या किया? *(पद 10)*
4. जिस रात दानियेल सिंहों की मान्द में था उस रात राजा ने क्या किया? *(पद 18)*
5. दानियेल सिंहों से कैसे बचाया गया? *(पद 22)*
6. जब दानियेल सिंहों की मान्द से बचा लिया गया तब राजा ने कौन सी नई आज्ञा निकाली? *(पद 26)*

झुण्ड के अगुवों के साथ आराधना के बीच इस नाटक को प्रस्तुत करने का प्रबन्ध करें। बच्चों की अच्छी तैयारी करें।

(दानियेल 6) की कहानी के हिस्से का **नाटक करें।**

झुण्ड के अगुवों के साथ आराधना के बीच इस नाटक को प्रस्तुत करने का प्रबन्ध करें। बच्चों की अच्छी तैयारी करें।

बड़े बच्चे या वयस्क इस हिस्से का अभिनय करें:

प्रवक्ता (बोलने वाला) कहानी का सारांश बतायें, बच्चों को क्या कहना है क्या करना है उसमें उन्हें याद दिलाये और मदद करें।

राजा: एक कागज़ लो जो "राजा की आज्ञा" बतलाती है।

दानियेल

छोटे बच्चे अभिनय करे:

राजा के अधिकारी राजा की आज्ञा के कागज़ को पकड़ें

सिंह चारों हाथ पैर से चलें

स्वर्गदूत एक कपड़ा पकड़े रहता है

सैनिक

प्रवक्ता: पद 1-10 से कहानी का प्रथम हिस्सा बताता है। तब कहता है, "सुनो कि राजा का अधिकारी क्या कहता है"

राजा के अधिकारी: जोर की आवाज से कहें "राजा दानियेल को हम से अधिक महत्वपूर्ण बनाता है।"

"आओ उससे छुटकारा पायें। हम उस पर क्या दोष लगा सकते हैं?"

"वह कुछ गलत नहीं करता!"

"दानियेल का अपने परमेश्वर से प्रार्थना के विरूद्ध आज्ञा निकाले!"

राजा: पत्र (कागज) अधिकारियों को देते हुए। "ठीक है, जो तुम नई आज्ञा चाहते थे यहाँ है। हर एक को केवल मेरी उपासना करनी होगी"।

दानियेल: एक कुर्सी पर चढ़कर खिड़की खोलने का प्रयास करता है, तब घुटने टेक कर कहता है, "परमेश्वर मैं केवल तुझ ही से प्रार्थना करूंगा। केवल तेरी उपासना करूंगा, और प्रतिदिन तेरी प्रशंसा करूंगा"

प्रवक्ता: 11-18 पद से कहानी का दूसरा हिस्सा बताता है, कहता है, "सुनो जो राजा के अधिकारी कहते हैं"।

राजा के अधिकारी: "हे राजा दानियेल अभी भी अपने परमेश्वर से प्रार्थना करता है" "आपको उसे सिंहों की मान्द में फिकवा देना चाहिये"

राजा: "ओह! नहीं! मैं ऐसा नहीं करना चाहता, परन्तु यह तो व्यवस्था है उसे सिंहों की मान्द में फेंक दो और उसके प्रवेश द्वार पर पत्थर रख दो। ओह! मैं बहुत दु:खि हूँ पूरी रात मैं ना खाऊंगा ना सोऊंगा।

सैनिक: दानियेल को सिंहों की मान्द में फेंक देते हैं।

सिंह: गुर्राते हैं।

प्रवक्ता: पद 19-22 से कहानी का तीसरा हिस्सा बताता है। कहता है, "सुनो कि स्वर्गदूत क्या कहता है"।

स्वर्गदूत: कपड़े से सिंहों के मुँह ढांप देता हैं कहता है, "सिंहों दानियेल को चोट ना पहुंचाना"।

सिंह: दानियेल के चारों और घूमते और लेटकर सो जाते हैं।

राजा: "अन्त में सुबह हो गई!" (सिंहों की मान्द पर जाता है) "दानियेल क्या तू जीवित है? क्या तेरे परमेश्वर ने तुझे बचाया?"

दानियेल: "हाँ! एक स्वर्गदूत ने सिंहों के मुँह बन्द कर दिया"।

प्रवक्ता: पद 33-28 में कहानी का चौथा हिस्सा बताता है। कहता है, "सुनो कि राजा क्या कहता है"।

राजा: "मैं बहुत प्रसन्न हूँ! उन पुष्ट अधिकारियों को लाओ और सिंहों की मान्द में फेंक दो! अब हम सब दानियेल के परमेश्वर की उपासना करेंगे"।

सैनिक: अधिकारियों को सिंहों की मान्द में फेक देते हैं।

सिंह: रेंगते और अधिकारियों पर हमला करते हैं।

प्रवक्ता: उन सभी को धन्यवाद देता है जिन्होंने हमें विश्वास योग्यता से प्रार्थना करना सीखने में सहायता की।

प्रश्न: यदि बच्चे बड़ों के लिये इस नाटक को प्रस्तुत करते हैं तो उन्हें बड़ों से ऊपर दिये गये प्रश्न दानियेल और उसकी प्रार्थना के विषय पूछने दे।

बच्चों से पूछें: दूसरे कौन से उदाहरण है जिनमें हमें विश्वास योग्यता से प्रार्थना करना चाहिये? (बच्चों को उदाहरण देते दें),

एक सिंह की तस्वीर खीचें बच्चों को उसकी नकल करने दे वे अगली आराधना के समय अपनी तस्वीरों को बड़ों को दिखा सकते हैं और ये उदाहरण दे सकते कि हमें किस प्रकार विश्वासयोग्यता से प्रार्थना करना चाहिये भले ही लोग हम से इसके विषय घृणा करें।

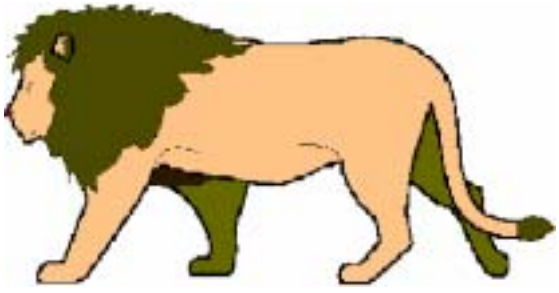

कंठस्थ करें 2 थिस्सलुनी 3:2

कविता: तीन बच्चों को भजन 57:4,5 एवं 6 पद बोला बोलकर याद करने दें।

प्रार्थना: "प्रभु आप सामर्थी हैं। आप सिंहों के मुँहों को बन्द कर सकते हैं। हम हमेशा आप पर भरोसा करेंगे हम हमेशा आप से प्रार्थना करेंगे, भले ही जब कठिन हो। चाहे हमारे साथ बुरी चीज़ हो, आप हमें सर्वदा की मृत्यु से बचायेंगे। यीशु के नाम में आमीन"

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net